

शिव/२५ पत्रावली पेश हुई वकील वाही व वाही को  
प्राणल लगाई गई बाद-बाद आणल लगान के  
बावजूद भी वकील वाही व वाही न्यायालय में दायि  
रगी होने पर वाही का वाह अहम इलाही अहम  
पैरनी में आविल किया जाता है पत्रावली के सलसुमा  
काल उम्बर से कम होकर होखिल इफ्तार हो

